

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,  
JAMMU

No. १६३६  
क

Title गणपति स्तोत्रम्

Author

Extent ३ पत्र Age

Subject स्तोत्र

गणनिस्तोत्र

नं. १७३१



नं-१६३९ क  
गणेश  
को नमः  
इति नमो  
लोको

ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ देसजासतं भुजे  
गणेश ईशानं दनं॥ एकदंतवक्रतंडु  
ना गायत्रा सूत्रके॥ रक्तगात्रधूम्रनेत्रश्च  
क्रवस्वसं दितं॥ कल्पवृक्षभाक्तिरत्नतमो  
स्वते गजावतं॥ पाशिपाणिचक्रपा०

ग.  
१

णिमृषकातिरोहिणी॥ सुप्रिकेदि  
सूर्यजेतिवज्रकोटिपर्वल॥ चित्रमा  
लभाक्तिजालवालचंद्रशोभिते॥ कल्प  
वृक्षभक्तिवृत्तमोस्तुतेगजानने॥ वि  
सवीर्यविचरीचेविचकर्मनिर्मलम्॥





ग.  
२

शरणं ब्रह्मसूर्यकोटिपौ रुघं प्रशंतकं  
कल्पवृक्षं भक्तिरत्नतमोस्तनूगजात  
तं॥४॥ रिद्धि बुद्धि अष्टसिद्धि तवति  
धानदायकं॥ यत्तु कर्म सर्वं धर्मवर्ण  
वर्णं अर्चितं॥ सतश्रिद्धिष्टमष्टिदाय



कंदरांतकं कल्पवृत्तिभक्तिरत्तनमो  
 स्तनेराजातनं ॥ ५ ॥ पंचरत्नपट्टेयस्त  
 प्रातः संध्याचरित्रिषु ॥ व्यासेन कथि  
 तं पूर्व सर्वकामफलप्रदम् ॥ ६ ॥ ३  
 ति श्रीगणपतिस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

६५

